देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 17 अंकः 192 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, शुक्रवार, 4 नवंबर 2022

विचार-प्रवाह...
हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई

मौसम अधिकतम 26.0° न्यूनतम 16.0° | 60836.41 | **2** बदल दी ट्विटर के कर्मचारियों की जिंदगी | **7** अर्शदीप ने लिखा, अंत तक था विश्वास

गुजरात में 1 और 5 दिसंबर को होगा मतदान

8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश के साथ ही परिणाम की होगी घोषणा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने गुरूवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गुजरात विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। राज्य में दो चरणों में चुनाव कराए जाएंगे और नतीजे 8 दिसंबर को हिमाचल प्रदेश चुनाव के साथ ही घोषित होंगे।

चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश के लिए मतगणना की तारीख को मतदान के करीब एक महीने बाद रखते हुए स्पष्ट संकेत दिया था कि गुजरात के लिए भी वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। 2017 में भी दोनों राज्यों में अलग–अलग तारीखों पर चुनाव की घोषणा की गई थी, लेकिन मतगणना 18 दिसंबर को एक साथ हुई थी। पहले चरण की वोटिंग एक दिसंबर को और दूसरे चरण की वोटिंग 5 दिसंबर को होगी। पहले चरण के लिए अधिसूचना 5 नवंबर को और दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 10 नवंबर को जारी की जाएगी। चुनाव आयोग ने बताया है कि गुजरात में 18 फरवरी 2023 को विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल खत्म हो रहा है। इस बार 4 करोड़ 90 लाख 89 हजार 765 लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 2 करोड़ 53 लाख से ज्यादा पुरुष मतदाता और 2 करोड़ 37 लाख से ज्यादा महिला मतदाता हैं। इस बार कुल पोलिंग स्टेशन 51 हजार 782 होंगे।

चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि गुजरात में इस बार 4.9 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। 51782 मतदान केंद्र पर मतदान होगा। 142 मॉडल मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। दिव्यांगों के लिए 182 विशेष पोलिंग स्टेशन बनाया जाएगा। महिलाओं के लिए 1274 पोलिंग स्टेशन होंगे।

मोबाइल एप के जरिए कोई भी नागरिक कर सकता है शिकायत चुनाव आयोग ने कहा है कि ब्वपहपस मोबाइल एप के जरिए कोई भी नागरिक निर्वाचन आयोग को शिकायत कर सकता है किसी भी गड़बड़ी को लेकर, 100 मिनट में रिजल्ट मिलेगा।

थर्ड जेंडर के एनरोलमेंट के लिए स्पेशल कैंपः चुनाव आयोग ने कहा कि तीसरे जेंडर के वोट करने के लिए भी आयोग कदम उठा रहा है। थर्ड जेंडर के एनरोलमेंट के लिए स्पेशल कैम्प लगाए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों को घर से वोट करने की सुविधा होगी वरिष्ठ नागरिकों को घर से वोट करने की सुविधा होगी।

बीजेपी की बड़ी बैठक

गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान से पहले गांधीनगर में भाजपा के संसदीय बोर्ड की अहम बैठक हुई। इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। गांधीनगर के भाजपा ऑफिस कमलम में अभी हो रही बैठक में गृहमंत्री अमित शाह के आलावा गुजरात कोर ग्रुप के सभी नेता और केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडविया और पुरुषोत्तम रुपाला भी शामिल रहे।

शिपिंग कंटेनर को भी पोलिंग स्टेशन बनाया जाएगा

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि इस बार 33 पोलिंग स्टेशन ऐसे होंगे जो युवा पोलिंग टीम द्वारा संचालित किए जाएंगे, ये युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करेगा। इस बार शिपिंग कंटेनर को भी पोलिंग स्टेशन बनाया गया है। पहली बार शिपिंग कन्टेनर भी पोलिंग स्टेशन के रूप में काम करेगा। गिर फॉरेस्ट के लिए एक पोलिंग स्टेशन होगा जहां एक ही वोटर है। पोस्टल वोट के लिए चुनाव आयोग के प्रतिनिधि जाएंगे। गिर फॉरेस्ट के लिए एक पोलिंग स्टेशन होगा जहां एक ही वोटर है।

गुजरात में इस बार त्रिकोणीय मुकाबले की उम्मीद

गुजरात विधानसभा की सभी 182 सीटों के लिए चुनाव दिसंबर में होने हैं और राज्य में इस बार भाजपा, विपक्षी कांग्रेस और अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 99 सीट जीती थीं, जबकि कांग्रेस को 77 सीट मिली थीं। गुजरात में लंबे समय से चुनावों में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला हो रहा है, लेकिन इस बार विधानसभा चुनावों के लिए आम आदमी पार्टी भी मैदान में जोर अजमाइश कर रही है। आपको बता दें कि 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी, 2023 को समाप्त हो रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सुको से मोहम्मद आरिफ को बड़ा झटका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 के लाल किला हमले के मामले में दी गई मौत की सजा को बरकरार रखते हुए शीर्ष अदालत के पहले के आदेश को चुनौती देने वाली लश्कर ए तैयबा आतंकी और पाकिस्तानी नागरिक मोहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक की पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी।

पाकिस्तान के सामने ढेर हुए साउथ अफ्रीकी शेर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में के 36वें मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने साउथ अफ्रीका को 33 रन से हरा दिया। मैच में पाकिस्तानी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 185 रन का स्कोर खड़ा किया था। बारिश से रुकने तक साउथ अफ्रीका की टीम ने 9 ओवर की समाप्ति तक 69 पर अपने चार विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में डकवर्थ लुईस नियम के तहत साउथ अफ्रीका को 14 ओवर में 142 रनों का लक्ष्य मिला।

भ्रष्टाचार की जांच करने वाली एजेंसियों को डरने की जरूरत नहीं

केंद्रीय सतर्कता आयोग के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की दो टूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने सीवीसी के नए शिकायत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे संगठनों (एजेंसियों) को डरने की कोई जरूरत नहीं है।

पोर्टल के लॉन्चिंग के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सतर्कता सप्ताह सरदार साहब की जन्म जयंती से शुरू हुआ है। साथ ही कहा कि सरदार साहब का पूरी जीवन ईमानदारी, पारदर्शिता और इससे प्रेरित पब्लिक सर्विस के निर्माण के लिए समर्पित रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग के कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमने देखा है कि जेल की सजा होने और भ्रष्टाचार साबित होने के बावजूद भी कई बार भ्रष्टाचारियों का गौरवगान किया जाता है। ईमानदारी का ठेका लेकर घूमने वाले लोग भ्रष्टाचारी के साथ फोटो खिंचवाते हैं। उन्हें शर्म नहीं आती है। ये स्थिति भारतीय समाज के लिए ठीक नहीं है। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे संगठनों (एजेंसियों) को डरने की कोई जरूरत नहीं है।

डिमांड और सप्लाई के गैप को भरने की कर रहे हैं कोशिश पीएम मोदी ने कहा कि हम बीते आठ सालों से अभाव और दबाव से बनी व्यवस्था को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। डिमांड और सप्लाई के गैप को भरने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही कहा कि इसके लिए हमने तीन रास्ते चुने हैं। एक आधुनिक टेक्नॉलोजी का रास्ता है। दूसरा मूल सुविधाओं के सैचुरेशन का लक्ष्य है। तीसरा आत्मनिर्भता का रास्ता है।

सर्वश्रेष्ठ निबंध लिखने वाले पांच छात्रों को किया पुरस्कृत

पीएम मोदी नैतिकता और अच्छे व्यवहारश पर सचित्र पुस्तिकाओं की एक श्रृंखला का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी सीवीसी द्वारा इस विषय पर आयोजित राष्ट्रव्यापी निबंध प्रतियोगिता के दौरान सर्वश्रेष्ठ निबंध लिखने वाले पांच छात्रों को पुरस्कार भी किया।

इमरान खान के पैर में लगी गोली, एक की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। लॉन्ग मार्च लेकर इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर गुजरांवाला के अल्लाहवाला चौक पर हमला हो गया। एक शख्स ने उनके कंटेनर पर उस वक्त फायरिंग की जब वह समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। गोलीबारी की आवाज से रैली में हड़कंप मच गया और कई लोग घायल हो गए। चूंकी हमलावर ने कंटेनर के नीचे से ऊपर की ओर फायरिंग की थी इसलिए गोलियां पीटीआई नेताओं के पैर में लगीं। शख्स ने कई गोलियां चलाईं जिसमें इमरान खान सहित कई लोग घायल हो गए।

खबरों के मुताबिक इमरान खान के पैर में गोली लगी जिसके बाद उन्हें बुलेटप्रूफ कार में अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट जियो न्यूज पर चश्मदीदों ने बताया कि हमलावर इमरान खान के काफिले का इंतजार कर रहा था। वह कंटेनर के काफी नजदीक था। जैसे ही कंटेनर पास पहुंचा, उसने उसके ऊपर खड़े इमरान खान और उनकी पार्टी के नेताओं पर हमला कर दिया। हमला नीचे से होने के कारण गोलियां कंटेनर के ऊपर खड़े नेताओं के पैरों पर लगी। इस हमले में इमरान खान को भी गोली लगी। जब इमरान को कंटेनर से उतारा गया, तो उनके पैर पर पट्टी बंधी हुई थी। जियो न्यूज के मुताबिक इस हमले में फवाद चौधरी और फैसल जावेद भी घायल हुए हैं।

हमले के तुरंत बाद आरोपी गिरफ्तारः पूर्व प्रधानमंत्री पर हुए हमले के बाद, तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके से ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर एक अज्ञात स्थान पर स्थानांतरित कर दिया है।

हमला

- पाकिस्तान में पीटीआई के लॉन्ग मार्च पर फायरिंग

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पूछताछ क्यों, गिरफ्तार करके दिखाओः सोरेन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन गुरुवार को ईडी के समन पर तो पेश नहीं हुए, लेकिन इस बहाने भाजपा के लीडरशिप वाली केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यदि मेरी ओर से कोई अपराध किया गया है तो फिर समन और नोटिस क्यों भेजे जा रहे हैं, आओ और मुझे गिरफ्तार कर लो। हेमंत सोरेन ने कहा, मुझे ईडी की ओर से आज के लिए समन जारी किया गया, जब छत्तीसगढ़ में मेरा आज आयोजन था। यदि मैंने कोई अपराध किया है तो फिर आकर मुझे गिरफ्तार कर लो। इसके लिए पूछताछ की क्या जरूरत है? ईडी ऑफिस के बाहर सुरक्षा क्यों बढ़ाई गई है।

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने राज्य में कुछ बाहरी गैंगों की पहचान की है। जो चाहते है कि झारखंड के आदिवासी अपने पैरों पर न खड़े हो सकें। इस राज्य में झारखंडियों का ही शासन रहेगा, किसी बाहरी ताकत का कब्जा नहीं हो सकेगा। आने वाले लोस चुनाव और विधानसभा चुनाव में राज्य से भाजपा का सफाया कर दिया जाएगा।

प्रवर्तन निदेशालय के समन पर भड़के हेमंत सोरेन

न्यूज डायरी

हंबनटोटा बंदरगाह पर श्रीलंकाई टैंकरों से ईंधन भर रहे चीन के युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलंबो। चीन के कर्ज जाल में फंसने के बाद भारत का पड़ोसी देश श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। भारत लगातार श्रीलंका को मदद मुहैया करा रहा है लेकिन बीजिंग के लिए कोलंबो की वफादारी कम नहीं हो रही है। श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर चीन के युद्धपोत श्रीलंका के टैंकरों से ईंधन भर रहे थे। भारत ने इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए श्रीलंका से चीन के सैन्य जहाजों की डॉकिंग और उनमें ईंधन भरने के लिए पारदर्शी मानकों का पालन करने के लिए कहा है। कोलंबो में मौजूद भारतीय राजनयिकों ने यह जानकारी दी है। भारत ने श्रीलंका से कहा है कि वह हंबनटोटा बंदरगाह पर चीन के सैन्य जहाजों को ईंधन भरने की अनुमति न दे। अमेरिका ने भी श्रीलंका से चीनी सैन्य जहाजों को हंबनटोटा पोर्ट पर डॉक करने की अनुमति देने से इनकार करने के लिए कहा है। खबरों के मुताबिक श्रीलंकाई टैंकर हंबनटोटा पोर्ट से ईंधन लोड कर रहे थे और चीन के युद्धपोतों में भर रहे थे।

रूस को गुपचुप तरीके से गोला–बारूद भेज रहा उत्तर कोरिया!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। रूसी हमलों के खिलाफ अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे पश्चिमी देश खुलकर यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। लेकिन कोई भी देश मुखर होकर रूस का समर्थन नहीं कर रहा है। हालांकि मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रूस भी इस जंग में अकेला नहीं लड़ रहा है। अमेरिका ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तर कोरिया श्बड़ी संख्याश में तोप के गोलों की आपूर्ति रूस को कर रहा है जिससे उसे यूक्रेन के खिलाफ जंग में मदद मिले। इससे पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि ईरान रूस को 200 से अधिक ड्रोन देने की तैयारी कर रहा है जिसमें घातक ।ौ–2 ड्रोन भी शामिल होगा। नेशनल सिक्योरिटी काउंसिलश के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि उन्हें मध्य पूर्व या उत्तरी अफ्रीका के देशों में भेजा जा रहा है। उन्होंने रूसी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए भेजे जा रहे गोला–बारूद की मात्रा पर एक विशिष्ट अनुमान देने से इनकार कर दिया।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को राहत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सात साल पुराने एक केस का निपटारा हो गया है। साल 2015 में राष्ट्रपति चुनाव के अभियान के दौरान ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों पर प्रदर्शनकारियों से झड़प करने के आरोप लगे थे। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने ट्रंप के खिलाफ केस दर्ज किया था। दोनों पक्षों के बीच समझौता क्या हुआ है, इसका पता नहीं चल सका है। मुकदमे के निपटारे के बाद ट्रंप की वकील अलीना हब्बा ने कहा, श्हम केस को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन दूसरे पक्ष ने इसके निपटारा करने के लिए कहा। उन्होंने आगे कहा कि हम इसके नतीजे से खुश हैं और मामले को खत्म करने के लिए हमें खुशी हो रही है। पीड़ितों का आरोप था कि मेक्सिको और मेक्सिकन लोगों के बारे में ट्रंप की नकारात्मक टिप्पणियों का विरोध करने पर मैनहटन में एक इमारत के बाहर ट्रंप के सुरक्षाकर्मियों ने उन पर हमला किया था।

नए बॉस मस्क ने बदल दी ट्विटर के कर्मचारियों की जिंदगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने जब से ट्विटर को खरीदा है, सोशल मीडिया कंपनी सुर्खियों में हैं। इस बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट दावा कर रही है कि जब से अरबपति बिजनसमैन ने ट्विटर को खरीदा है, कंपनी के कर्मचारियों को कई–कई घंटे अतिरिक्त काम करना पड़ रहा है। मस्क की नई रणनीति के तहत पहले से ही कंपनी में छंटनी की आशंकाएं हैं। मस्क की दी हुई डेडलाइन को पूरा करने के लिए मैनेजर कर्मचारियों से हफ्ते के सातों दिन 12–12 घंटे की शिफ्ट करने के लिए कह रहे हैं यानी हफ्ते के 84 घंटे काम। एलन मस्क ने डील साइन करने के कुछ ही घंटों के भीतर सीईओ पराग अग्रवाल समेत कई शीर्ष कर्मचारियों को निकाल दिया था।

अफगानिस्तान तक सीपीईसी ले जाने के लिए बेताब हुए जिनपिंग–शहबाज

भारत सीपीईसी के तहत बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का कर रहा विरोध

चाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। चीन और पाकिस्तान ने एक नए प्लान पर सोचना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जो इस समय चीन के दौरे पर हैं, उन्होंने यहां पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की है। इस मीटिंग में चीन के पीएम ली केकियांग और दूसरे सीनियर लीडर्स मौजूद थे। इसी मीटिंग में सीपीईसी पर भी चर्चा हुई। पीएम शरीफ की मुलाकात के बाद दोनों देशों की तरफ से एक साझा बयान जारी किया गया जिसमें चीन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव का जिक्र खासतौर पर था। दोनों देश इस प्रोजेक्ट के तहत आने वाले चीन पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर को अब अफगानिस्तान तक लेकर जाना चाहते हैं।

जल्द होगा पूराः प्रधानमंत्री बनने के बाद यह शहबाज शरीफ का पहला चीन दौरा था जिससे पाकिस्तान को काफी उम्मीदें थी। देश की अर्थव्यवस्था

जिस स्थिति से गुजर रही है, उसमें यह संभावना जताई गई थी कि सरकार को सीपीईसी के लिए चीन से मदद मिल सकती है। सीपीईसी करीब 60 अरब डॉलर वाला प्रोजेक्ट है जिसके जरिये पाकिस्तान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर काम चल रहा है। पीएम शहबाज ने इस दौरान जिनपिंग से 6.3 अरब डॉलर के चीनी कर्ज पर भी चर्चा की। इस बारे में क्या निष्कर्ष निकला, इस पर तो कोई जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन चीन ने सीपीईसी के एक रणनीतिक प्रोजेक्ट को जल्द से जल्द पूरा करने पर रजामंदी जताई है।

तीन हजार किलोमीटर तकः सीपीईसी प्रोजेक्ट तीन हजार किलोमीटर तक फैला हुआ है और पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से शिनजियांग को कवर करता हे। दोनों देशों की मानें तो अगर इसे अफगानिस्तान तक लेकर जाया जाता है तो इसे क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा। इस साल जुलाई में चीन के विदेश मंत्री वांग वाई की तरफ से भी इच्छा जताई गई थी कि सीपीईसी को अफगानिस्तान तक लेकर जाया जाना चाहिए। साल 2013 में लॉन्च हुया यह प्रोजेक्ट ग्वादर बंदरगाह को अरब सागर और शिनजियांग के काश्गर से जोड़ता है।

भारत ने किया विरोधः भारत की तरफ जुलाई में ही इस बात की आलोचना की गई थी कि किस तरह से चीन और पाकिस्तान एक तीसरे देश को इस प्रोजेक्ट में शामिल करने को बेताब हैं। भारत,सीपीईसी के तहत बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) का विरोध करता आया है क्योंकि यह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत मानता है कि सीपीईसी और बीआरई दोनों ही उसकी संप्रभुता के खिलाफ हैं। भारत,सीपीईसी के तहत बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) का विरोध करता आया है क्योंकि यह पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत मानता है कि सीपीईसी और बीआरई दोनों ही उसकी संप्रभुता के खिलाफ हैं।

ईरान के खिलाफ अमेरिका का फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) संयुक्त राष्ट्र। ईरान में जारी हिजाब पर बवाल अब वैश्विक मंच पर भी इसके गले की फांस बनता नजर आ रहा है। दरअसल अमेरिका ने सार्वजनिक तौर पर कहा है कि यह संयुक्त राष्ट्र के महिला अधिकार निकाय से ईरान को निकालने की पेशकश करने वाला है।

अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष महिला अधिकार निकाय से ईरान को बाहर करने की मंशा जाहिर की है। अमेरिका ने कहा है कि इसके लिए वह न्छ के समक्ष अपील करेगा। ईरान में हिजाब को लेकर हो रहे प्रदर्शन के मद्देनजर अमेरिका ने ऐसा फैसला लिया है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र का यह निकाय लैंगिक समानता के लिए लड़ाई लड़ता है और ईरान को इससे निकालने की बात इसलिए की जा रही है क्योंकि वहां महिला व लड़कियों के अधिकारों का हनन हो रहा है। ईरान में कुर्द महिला महसा अमीनी की मौत के बाद हिजाब के खिलाफ जारी प्रदर्शन के क्रम में प्रदर्शनकारियों पर ईरान सरकार की बर्बरता पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

ईरान में हिजाब विरोधी प्रदर्शनों में आई तेजी के बाद वाशिंगटन ने यह फैसला लिया है। ईरान में यह प्रदर्शन 22 वर्षीय युवती महसा अमिनी की मौत के बाद शुरू हुई।

अर्जेंटीना और प्यूर्टो रिको की ब्यूटी क्वीन्स ने आपस में रचाई शादी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्यूनस आयर्स। पूर्व मिस अर्जेंटीना मारियाना वारेला और प्यूर्टो रिको फाबिओला वैलेंटाइन ने शादी कर ली है। दोनों का ऐलान चौंकाने वाला तो था ही साथ ही यह उनके फैंस के लिये खुशी की खबर भी थी। अपने इंस्टाग्राम पर फोटोग्राफ शेयर कर इन दोनों ने शादी की खबर दी। दोनों की मुलाकात साल 2020 में थाइलैंड में मिस ग्रैंड इंटरनेशनल के दौरान हुई थी। उस समय दोनों अपने–अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रही थीं। दोनों ही टॉप 10 में रही थीं और इस कॉम्पटीशन के बाद भी दोनों संपर्क में रहीं। सोशल मीडिया पोस्ट्स देखने से पता लगता है कि दोनों ही काफी करीबी दोस्त रहीं हैं। लेकिन इनके फैंस को इस बारे में कुछ नहीं मालूम था।

परमाणु बम से लैस 5 महाशक्तियां युद्ध की कगार पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मास्को। यूक्रेन युद्ध के बीच रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा कि दुनिया की परमाणु शक्तियों के बीच एटमी युद्ध से बचना उसकी पहली प्राथमिकता है। क्रेमलिन ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश महाविनाशक हथियारों की मदद से इसे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने तो यहां तक कह दिया है कि दुनिया की 5 घोषित परमाणु महाशक्तियां सीधे सशस्त्र संघर्ष की कगार पर हैं। उसने कहा कि पश्चिमी देश महाविनाश के हथियारों को बढ़ावा देना बंद करें जिसके परिणाम बहुत ही भयानक हो सकते हैं।

रूस ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर चर्चा की

वहीं पश्चिमी देशों ने कहा है कि यूक्रेन हमले के बाद से रूस ही लगातार परमाणु हमले की धमकी दे रहा है। यही नहीं रूस ने हाल ही में दावा किया है कि यूक्रेन रेडियोएक्टिव डर्टी बम का इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है लेकिन इसके सबूत नहीं दिए। यूक्रेन ने भी रूस के इस आरोप का खंडन किया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करने के लिए उठाए गए कदमों से वर्तमान जटिल हालात पैदा हुए हैं। हमारी सबसे पहले कोशिश परमाणु हथियारों से लैस शक्तियों के बीच सैन्य संघर्ष से बचना है।

रूस ने यह भी कहा कि वह परमाणु हथियारों से लैस अमेरिका, चीन, ब्रिटेन और फ्रांस के साथ जनवरी में जारी उस संयुक्त घोषणापत्र पर अब भी कायम है जिसमें परमाणु युद्ध रोकने की संयुक्त जिम्मेदारी की बात कही गई थी। इससे पहले रूस ने बार–बार कहा है कि अगर उसकी क्षेत्रीय संप्रभुता पर संकट आया तो वह हर हथियार का इस्तेमाल करने पर विचार करेगा। पुतिन ने कहा था कि वह इस संबंध में झांसा नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने दूसरे विश्वयुद्ध की समाप्ति के समय जापान में परमाणु बम गिराकर मिसाल पेश की थी।

श्रीलंका में विरोध प्रदर्शनों का दौर फिर हुआ शुरू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। श्रीलंका की मुश्किलों का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। पहले से ही आर्थिक कंगाल हो चुके श्रीलंका में अब सरकार ने लोगों के ऊर करों का नया बोझ डाल दिया है। इसकी वजह से एक बार फिर से जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गई है। करों को लेकर बुधवार से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन सरकार के लिए एक नई मुसीबत बन सकता है। पहले से ही देश की जनता आर्थिक दिक्कतों से परेशान है और कई तरह की किल्लतों से जूझ रही है। श्रीलंका में वर्ष 2022 की शुरुआत से ही आर्थिक दिक्कतें शुरू हो गई थीं। जरूरी चीजों की कमी के बाद सरकार ने विदेशों से उर्वरक खरीद पर रोक लगा दी थी। इसकी वजह से खेती पर असर पड़ा और सरकार किसानों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ दिखाई दी। श्रीलंका की सरकार विदेशी कर्ज के ब्याज की रकम चुकाने में असमर्थ रही और 12 अप्रैल 2022 को सरकार ने देश को डिफाल्टर घोषित कर दिया था।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

बुलडोजर से ध्वस्त स्थान से क्या सबूत जुटाए, बताए एसआईटी

रिसेप्शनिस्ट हत्याकांड

रिसेप्शनिस्ट हत्याकांड में हाई कोर्ट नैनीताल ने पूछे तीखे सवाल

संवाददाता

नैनीताल। हाई कोर्ट ने पौड़ी गढ़वाल निवासी व ऋषिकेश के चीला क्षेत्र में रिसोर्ट रिसेप्शनिस्ट हत्याकांड की सीबीआई जांच को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की।

वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की एकलपीठ ने एसआईटी को लिखित रूप से यह बताने को कहा है कि रिसोर्ट में जिस स्थान पर बुलडोजर चलाया गया, वहां से कौन कौन से सबूत एकत्र किए गए।

एसआईटी को 11 नवंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा गया है। अगली सुनवाई 11 नवंबर को होगी। आज इस मामले में एसआईटी स्टेटस रिपोर्ट पेश नहीं कर सकी। पौड़ी गढ़वाल के आशुतोष नेगी ने याचिका दायर कर कहा है कि पुलिस व एसआईटी इस मामले के महत्वपूर्ण सबूतों को छुपा रहे हैं। एसआईटी ने अभी तक रिसेप्शनिस्ट

के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की है। जिस दिन उसका शव बरामद हुआ था उसकी दिन शाम को अंकिता का कमरा तोड़ दिया जब रिसेप्शनिस्ट के शव का पोस्टमार्टम हुआ था, पुलिस ने बिना किसी महिला डॉक्टर की उपस्थिति में कराया गया। जो सर्वोच्च न्यायलय के आदेश के विरुद्ध है। मेडिकल कराते समय एक महिला का होना आवश्यक था, जो इस केस मे पुलिस ने नहीं किया। याचिका में यह भी कहा गया है कि रिसेप्शनिस्ट के साथ दुराचार हुआ है, जिसे पुलिस नही मान रही है। पुलिस इस केस में लीपापोती कर रही है। इसलिए इस केस की जाँच सीबीआई से कराई जाए।

याचिकाकर्ता ने कहा, निजी खर्चे पर लड़ रहा हूं मुकदमा: याचिकाकर्ता आशुतोष नेगी ने इस मामले को लेकर सरकार के फंडिंग करने के आरोपों पर कहा कि वह अपने निजी खर्च पर मुकदमा लड़ रहे हैं।

फूट फूटकर रोए मां–पिता

नैनीताल। पौड़ी गढ़वाल की रिसेप्शनिस्ट हत्याकांड मामले की जांच कर रही एसआइटी की ओर से कथित दबाव डालने, वनंतरा रिसोर्ट में आग लगाने, अंकिता के कमरे को बुलडोजर से ध्वस्त करने आदि घटनाओं ने अंकिता के माता पिता को बुरी तरह तोड़ दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब रिसोर्ट की सुरक्षा के लिए 50 पुलिस पीएसी के जवान तैनात रहे तो बिजली कनेक्शन कटने के बाद भी अभियुक्त पुलकित आर्य की फैक्ट्री में आग कैसे व किसने लगाई। क्या पुलिस जवान रिसोर्ट में पिकनिक मनाने भेजे गए हैं। जिलाधिकारी व एसएसपी पौड़ी का तबादला क्यों कर दिया गया। एसआइटी जांच से हम संतुष्ट नहीं हैं, मामले की सीबीआइ जांच होनी चाहिए।

न्यूज डायरी

दून में पांच सौ रुपये के नकली नोट चलाने वाले गैंग का भंडाफोड़

संवाददाता देहरादून। रायपुर थाना पुलिस ने नकली नोट चलाने वाले गैंग का भंडाफोड़ किया है। मंडावर जिला बिजनौर के दो आरोपी गिरफ्तार कर उनके कब्जे से नौ हजार के नकली नोट मिले हैं। आरोपी नकली नोट आधी कीमत पर परिचितों को बेच रहे थे। आरोपियों के पास से मिले नकली नोट 500 रुपये के हैं। रायपुर थाना पुलिस को भनक लगी कि थाना क्षेत्र में नकली नोट चलाने वाले गैंग से जुड़े आरोपी घूम रहे हैं। दरोगा राजीव धारीवाल टीम संग रायपुर स्थित शराब ठेके के पास पहुंचे।

मूविन ने अपनी एक्सप्रेस एंड ऑफ डे सेवाओं का विस्तार 19 नए शहरों में किया

देहरादून। यूपीएस और इंटरग्लोब एंटरप्राईजेस के बीच संयुक्त उपक्रम, मूविन एक्सप्रेस प्राईवेट लिमिटेड ने अपनी एक्सप्रेस एंड–ऑफ–डे सेवाओं का विस्तार 19 नए शहरों में करने की घोषणा की जिससे टियर 1 और टियर 2 शहरों में ज्यादा तीव्र ट्रांजिट टाईम मिलेगा इस विस्तार के साथ मूविन एंड–ऑफ–डे सेवाओं का नेटवर्क 47 शहरों और 3,000 पिनकोड्स तक पहुँच गया है।

बदहाल सड़कों के विरोध में पूर्व सीएम हरीश रावत फिर धरने पर बैठे

संवाददाता सल्ट। मैदान व पहाड़ के साथ ही कुमाऊं और गढ़वाल को जोड़ने वाली बदहाल मुख्य सड़कों की मरम्मत को सरकार ने ठोस कदम न उठाए तो कांग्रेसी व पंचायत प्रतिनिधि फिर भड़क उठे। दो टूक चेतावनी के बावजूद सुध न लिए जाने से नाराज पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी मोहान तिराहा पहुंचे। समर्थकों के साथ गड्ढों से बेजाल सड़क पर बैठ धरना शुरू कर दिया।

पर्यटक नगरी को जिम कार्बेट पार्क रामनगर तथा सल्ट क्षेत्र को पौड़ी गढ़वाल से जोड़ने वाली सड़कें अरसे से बदहाल हैं। यही नहीं कई आंतरिक सड़कें भी रखरखाव के अभाव में हादसे का सबब बनी हुई हैं। आपदा व अतिवृष्टि में क्षतिग्रस्त रोड भी दुरुस्त नहीं की जा सकी हैं। इससे जहां पर्यटन गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं।

बड़ी दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना हुआ है। सड़कों की दुर्दशा पर दो माह पहले पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत वर्षा से जलमग्न गड्ढों के पास धरने पर बैठ गए थे। उन्होंने राज्य की धामी सरकार को डेढ़ माह की मोहलत देते हुए खस्ताहाल सड़कों की मरम्मत न होने पर मोहान तिराहा पर बेमियादी धरने का ऐलान भी किया था।

इधर सरकार व संबंधित विभाग ने अब तक सुध न ली तो गुरुवार को पूर्व सीएम हरीश रावत की अगुआई में एनएसयूआइ कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, टैक्सी यूनियन व अन्य संगठनों के लोग मोहान तिराहा पर पहुंचे। सरकार विरोधी नारेबाजी व प्रदर्शन के बीच धरने पर बैठ गए।

कार्यालय सहायक अभियन्ता,
विद्युत/यांत्रिक खण्ड, लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

पत्रांक: 663/निविदा दिनांक: 02–11–2022

महामहिम श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड की ओर से सहायक अभियन्ता, वि0/यां0 खण्ड लो0नि0वि0 देहरादून द्वारा निम्नलिखित कार्य की सीलबंद निविदाएं दिनांक 18–11–2022 को आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 05–11–2022 से दिनांक 17–11–2022 तक किसी भी कार्यदिवस में निम्न कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 18–11–2022 को अपरान्ह 3.00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते है।

1– कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, 11वां वृत्त, लो0नि0वि0 देहरादून।
2– कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0 दुगड्डा।
3– कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, वि0/यां0 खण्ड, लो0नि0वि0 देहरादून।
4– कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, वि0/यां0 खण्ड, लो0नि0वि0 ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि (रू0)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	निविदा की वैधता	कार्य की समाप्ति अवधि	पंजीकरण की श्रेणी
1.	सचिवालय परिसर स्थित सचिव, अपर सचिव एवं संयुक्त सचिव के कार्यालय कक्षों में ए0सी0 लगाये जाने का कार्य।	8200.00	रू0 500.00 +G.S.T. 18%	60 दिन	15 दिन	कार्य में अनुभवी फर्म/ठेकेदार

निविदा दिनांक 19–11–2022 को अपरान्ह 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, वि0/यां0 खण्ड, लो0नि0वि0 देहरादून में खोली जाएगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकेंगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

कठिन प्रशिक्षण के बाद 64 उपनिरीक्षक एसएसबी की मुख्यधारा में हुए शामिल

संवाददाता

श्रीनगर गढ़वाल। केंद्रीकृत प्रशिक्षण केंद्र सशस्त्र सीमा बल श्रीनगर गढ़वाल में गुरुवार को दीक्षा परेड का आयोजन किया गया। इसमें विभागीय भर्ती से उपनिरीक्षक बने 64 प्रशिक्षुओं ने शानदार मार्चपास्ट करते हुए मुख्य अतिथि और एसएसबी सीमान्त मुख्यालय रानीखेत के आईजी चांस केशींग को सलामी दी।

हरियाणा के सबसे ज्ध्यादा उपनिरीक्षक पासआउटः गुरुवार को विधिवत एसएसबी में शामिल हुए 64 उपनिरीक्षकों में उत्तराखंड के आठ, यूपी के नौ, बिहार के सात, हरियाणा के 17, राजस्थान के आठ, हिमाचल, पश्चिम बंगाल, मणिपुर और मध्यप्र देश से 1–1, झारखंड से दो, दिल्ली के नौ

शामिल हैं। वहीं, महेंद्रगढ़ हरियाणा के प्रशांत कुमार को सर्वश्रेष्ट उपनिरीक्षक की ट्राफी दी गई। 24 सप्ताह का कठिन प्रशिक्षण के बाद दे ये उपनिरीक्षक बने हैं।

एसएसबी का है अहम दायित्वः गौरतलब है कि मित्र देशों की सीमा और नागरिकों से संबंधित कार्यक्षेत्र होने से एसएसबी का दायित्व अहम है। भारत–नेपाल की 1751 किमी और भारत–भूटान की 699 किमी लंबी सीमाओं की सुरक्षा का दायित्व एसएसबी संभाले हुए है।

जाने सशस्त्र सीमा बल के बारे में सशस्त्र सीमा बल के विशेष सेवा ब्यूरो के रूप में मई 1963 में स्थापित किया गया था, 1962 में चीनी (आक्रमण के बाद) सशस्त्र सीमा बल गृह मंत्रालय (2001 जनवरी) के मंत्रालय के तत्वावधान में आया था। एसएसबी भारत नेपाल (जून 2001) और भारत नेपाल सीमा सौंपा के लिए एक प्रमुख खुफिया एजेंसी घोषित किया गया। बाद में ैठ भी भारत भूटान सीमा (2004 मार्च) सौंपा गया था। मार्च 2004 में अपनी स्थापना के बाद एसएसबी राष्ट्रपति (मार्च 2004 में राष्ट्रीय सुरक्षा Key-stone भूमिका की मान्यता) में ध्वज, प्राप्त किया।

सीएचसी बीरोंखाल का वाहन पंचपुरी के पास नयार नदी में गिरा

कोटद्वार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरोंखाल का वाहन पंचपुरी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में चिकित्सक समेत चार घायल हो गए। जिनकी स्थति गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार सीएससी बीरोंखाल की बोलेरो गाड़ी फरसाड़ी में स्वास्थ्य कैंप लगाने के बाद दोपहर एक बजे अस्पताल की ओर तेज गति से वापस आ रही थी। इस बीच पंचपुरी के पास पर अचानक अनियंत्रित होकर 50 मीटर गहरी पूर्वी नयार नदी में जा गिरी।

सीबीआइ से कराई जाए वनन्तरा प्रकरण की जांच

संवाददाता ऋषिकेश। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर वनन्तरा प्रकरण की जांच सीबीआइ से कराने व इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रेक कोर्ट में कराए जाने की मांग की है। मंच ने इस पूरे प्रकरण में डीजीपी की भूमिका पर संदेह जताते हुए उन्हें हटाने की मांग भी की है।

तहसील परिसर में किया विरोध प्रदर्शन गुरुवार को उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच ने उप जिलाधिकारी ऋषिकेश के माध्यम से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन प्रेषित किया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने ऋषिकेश तहसील परिसर में नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन भी किया। मंच ने वनन्तरा प्रकरण की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआइ को जांच सौंपने की मांग की। इसके अलावा मंच ने यूके एसएससी परीक्षा की भर्तियों में धांधली की निष्पक्ष जांच कराने की भी मांग की।

सशक्त लोकायुक्त की नियुक्ति की भी मांगः मुख्यमंत्री को भेजे 12 सूत्रीय मांग पत्र में मंच ने राज्य में सशक्त लोकायुक्त की नियुक्ति करने, हिमाचल की तर्ज पर भू कानून लागू करने, मूल निवास की अनिवार्यता को लागू करते हुए कट आफ डेट 1950, पूर्व की भांति लागू करने की मांग की है। इसके अलावा जिला स्तर पर लंबित चिह्नीकरण की प्रक्रिया को शुरू करने, राज्य निर्माण सेनानियों को सम्मान पेंशन देने, पेंशनधारी आंदोलनकारियों को पेंशन पट्टा आवंटित करने तथा सभी आंदोलनकारियों को राज्य निर्माण सेनानी का दर्जा देने की मांग की है।

हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई

अभी तक अड़चन यह बताई जा रही थी कि इन विषयों के कोर्स मटीरियल हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में हैं ही नहीं। इसी समस्या के हल के रूप में तीन विषयों की हिंदी पुस्तकें जारी की गई हैं। यह तो बस शुरुआत है, ऐसी और किताबें आएंगी।

मनोज शर्मा।।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एमबीबीएस कोर्स से जुड़े तीन विषयों की हिंदी किताबें जारी कीं। मध्य प्रदेश पहला राज्य है जहां मेडिकल की पढ़ाई हिंदी माध्यम से कराने का फैसला लागू किया गया है। यह फैसला नैशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत लिया गया है, जिसके मुताबिक तकनीकी विषयों की उच्च शिक्षा मातृभाषा में दिए जाने की बात है। जल्दी ही मेडिकल की पढ़ाई अन्य भारतीय भाषाओं में भी शुरू होगी। निश्चित रूप से यह एक बड़ी पहल है। इसके पक्ष में दिए जा रहे इस तर्क में भी दम है कि अगर जर्मनी, जापान, फ्रांस जैसे देश अपनी–अपनी भाषाओं में विज्ञान और तकनीक की पढ़ाई से इतना आगे बढ़ सकते हैं तो भारतीय भाषाओं में ये विषय क्यों नहीं पढ़ाए जा सकते?

अभी तक अड़चन यह बताई जा रही थी कि इन विषयों के कोर्स मटीरियल हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में हैं ही नहीं। इसी समस्या के हल के रूप में तीन विषयों की हिंदी पुस्तकें जारी की गई हैं। यह तो बस शुरुआत है, ऐसी और किताबें आएंगी। बहरहाल, इस शुरुआत का मतलब यह नहीं माना जा सकता कि आगे की समस्याएं विलुप्त हो गई हैं या वे कम गंभीर हैं। अगर गृहमंत्री अमित शाह द्वारा जारी की गई किताबों पर ही गौर किया जाए तो इसने कुछ हलकों में बहस अभी से शुरू करा दी है। एक पुस्तक का नाम कवर पर दिख रहा है– एनाटॉमी, एब्डॉमन और लोअर लिम। पूछा जा रहा है कि क्या लिपि बदलना ही भाषा बदलना है? क्या एनाटॉमी के लिए शरीर रचना लिखना इतना मुश्किल होता कि स्टूडेंट्स नहीं समझ पाते? लेकिन सवाल सिर्फ एक एनाटॉमी का नहीं है। ऐसे तमाम टर्म आएंगे, जिनके अनुवाद से स्टूडेंट्स में ही नहीं टीचर्स के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है।

लिहाजा जहां तक हो सके टर्म को ज्यों का त्यों अपनाते हुए चलना ही फायदेमंद होगा या इनके लिए मानक शब्द रखने होंगे। आखिर विभिन्न माध्यमों से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स जब फील्ड में एक्टिव होंगे और इनमें आपसी संवाद होगा तो इनके बीच इस तरह की खाई नहीं बननी चाहिए कि एक–दूसरे की बात ही समझ में न आए। इसके अलावा अपने देश में एक समस्या हिंदी लादे जाने के वास्तविक या काल्पनिक डर की भी है जिसकी झलक तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों से उठ रही आपत्तियों में अभी से मिलने लगी है। इसलिए बेहतर होगा कि इस फैसले को भाषाई गर्व से ना जोड़ा जाए। एक सवाल यह भी है कि मेडिकल साइंस में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई रिसर्च होती रहती हैं। उन्हें हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में मेडिकल की पढ़ाई करने वालों तक कैसे पहुंचाया जाएगा। अच्छा होगा कि इस बारे में भी सोचा जाए।

समय का बंधन

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। राग के साथ कोई कहानी, दृष्य जोड़कर कलाकार उससे प्रेरणा लेता है और श्रोता भी आनंद पाता है। राग–रस और राग–समय के सिद्धांतों के संदर्भ में अनेक प्रश्न सामने आते हैं। जैसे भैरवी तो किसी भी समय गाया जाता है, उसके साथ समय का बंधन नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में कई रागों के स्वरूप में बदलाव आया है, लेकिन उनके पुराने नाम वैसे ही हैं। फिर उनके रस और समय के बारे में हम क्या कहेंगे? क्या भारतीय या अभारतीय श्रोता राग के संदर्भ में विशिष्ट रस का अनुभव करता है? दरअसल राग का व्यक्तित्व और राग–भाव, उसकी संगीत सामग्री और उसकी प्रस्तुति से संबंधित है। ये बातें राग–समय सिद्धांत के बारे में कुछ बातें सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। जैसे कि रेकॉर्डिंग किसी भी समय होती है, लेकिन इससे राग की प्रस्तुति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

संपादकीय

यूएन महासभा की बैठक

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के मद्देनजर मैं सोच रहा हूं कि भारत का जो योगदान रहा है– दोनों तरह से, जो देश के अंदर हुआ वह भी और जो दुनिया भर में पहुचा वह भी–उससे सीख लेकर कैसे अन्य देश ऐसी दुनिया बना सकते हैं जिसमें हर व्यक्ति चाहे वह कहीं भी रहता हो, एक स्वस्थ और उत्पादक जिंदगी जीने का मौका पाए। भारतीय नेता यह भी जानते हैं कि इनोवेटिव टूल्स का पूरा फायदा तभी मिल सकता है जब लोगों की सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए हमें टेक्नॉलजी चाहिए, लेकिन हमें ऐसे लोग भी चाहिए जो यह बताएं कि क्लाइमेट चेंज का मुद्दा महत्वपूर्ण है। इससे सरकार प्रोत्साहित होती है और इंडस्ट्री उस टेक्नॉलजी में पैसा लगाती है। कार्बन उत्सर्जन कम करने को लेकर भारत की प्रतिबद्धता जबर्दस्त है। लेकिन पीएम की लाइफ स्टाइल फॉर द एन्वायरनमेंट (एलआईएफई) पहल भी कम महत्वपूर्ण नहीं, जिससे पर्यावरण को लेकर जागरूक व्यक्तियों की संख्या बढ़ती है और ऐसे कार्य होते हैं जो वास्तविक प्रगति में योगदान करते हैं।

हम यह देखकर लगातार हैरान होते रहे हैं कि यहां के लोग कितनी गहराई से अपनी चुनौतियों को समझते हैं और कितनी कुशलता से उन्हें हल करने के देसी उपाय खोज निकालते हैं।

उम्मीद बरकरार

बिल गेट्स।।

ज्यादा स्वस्थ, न्यायसंगत और समृद्ध दुनिया की ओर बढ़ने की रफ्तार निर्भर करती है प्रतिबद्धता और इनोवेशन पर। यही वह बिंदु है, जहां भारत दुनिया को राह दिखाता है। पिछले दो दशकों से बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन भारत में काम कर रहा है। हम यह देखकर लगातार हैरान होते रहे हैं कि यहां के लोग कितनी गहराई से अपनी चुनौतियों को समझते हैं और कितनी कुशलता से उन्हें हल करने के देसी उपाय खोज निकालते हैं। इस महीने की शुरुआत में हमारे फाउंडेशन ने सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की दिशा में हुई प्रगति पर एक रिपोर्ट जारी की। ये लक्ष्य गरीबी और भुखमरी मिटाना, आर्थिक विकास हासिल करना, साफ पानी और शौचालय तक सबकी पहुंच सुनिश्चित करना और अन्य– 2030 तक हासिल करने का निश्चय सात साल पहले संयुक्त राष्ट्र में सभी सदस्य राष्ट्रों ने किया था।

रिपोर्ट दर्शाती थी कि मौजूदा स्थिति ठीक नहीं है और इन लक्ष्यों की ओर बढ़ती दुनिया की गाड़ी पटरी से उतर चुकी है। मगर फिर भी, भारत ने जो प्रगति और जैसी लीडरशिप दिखाई, उसकी बदौलत मुझे अभी भी उम्मीद है कि हम वहां तक पहुंच सकते हैं। पीएम मोदी की नेतृत्व में भारत ने कई ऐसे बड़े कदम उठाए हैं, जिनसे एसडीजी की

दिशा में प्रगति तेज होने के आसार बने हैं।

भारत के वैश्विक योगदान का एक बढ़िया उदाहरण है टीकों का विकास। वैक्सीन अलायंस गावी द्वारा दुनिया भर में बांटे गए हर पांच टीकों में से दो भारत में बने हुए थे। महामारी के दौरान 2021 के शुरू में सप्लाई की कमी के बावजूद, भारत में बने टीकों की दो अरब खुराक देश के अंदर बांटी गई जबकि 25 करोड़ खुराकें निर्यात की गईं। और ऐसा नहीं है कि भारत के टीका ज्ञान से सिर्फ इंसानों को फायदा हो रहा है। हमारा फाउंडेशन एनिमल वैक्सीन के क्षेत्र में भी साझेदारी का विस्तार कर रहा है।

दूसरा क्षेत्र जिसमें भारत का अनुसरण होना चाहिए, वह है डिजिटल टेक्नॉलजी। इस क्षेत्र में प्रगति से दुनिया को कई चुनौतियों से निपटने में मदद मिल सकती है, चाहे वह महामारी से उबरने की बात हो या गरीबी उन्मूलन की या फिर आवश्यक दवाओं तक लोगों की पहुंच सुनिश्चित करने की। लेकिन यह तभी संभव है जब तमाम देश मिलकर ऐसे सिस्टम्स बनाएं जो सुरक्षित हों, एक–दूसरे से कनेक्टेड हों और इन्क्लूसिव हों। इस लिहाज से भारत का फाइनैंशल इन्क्लूजन का डिजिटल सिस्टम पूरी दुनिया के लिए मॉडल हो सकता है। प्रधानमंत्री जन धन योजना ने बैंकिंग और अन्य फाइनैंशल सर्विसेज तक खासकर महिलाओं की पहुंच जबर्दस्त ढंग से बढ़ा दी, जिनका अक्सर अपने ही पैसों पर कोई वश नहीं रहता। खोले गए कुल 45 करोड़ खातों में से आधे से ज्यादा महिलाओं के हैं। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ने हर महीने जो ट्रांजेक्शन संभव बनाया है– 6 अरब से ज्यादा– वह आश्चर्यजनक है। यही नहीं, आधार आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डिजिटल पेमेंट्स की बदौलत महामारी के दौरान 30 करोड़ से ज्यादा लोगों तक डिजिटली राहत राशि पहुंचाई जा सकी।

भारत में महामारी के दौरान आबादी के कमजोर और जरूरमंद हिस्से तक मदद पहुंचाने का एक और उदाहरण है गलियों में फेरी लगाने वालों को सस्ता, बिना कुछ गिरवी रखे वर्किंग कैपिटल लोन मुहैया कराना। पीएम स्वनिधि कार्यक्रम ने फेरीवालों को इस तरह बैंकिंग सिस्टम से जोड़ा, जिससे उन्हें डिजिटल ट्रांजेक्शन करने और अपनी क्रेडिट हिस्ट्री बनाने का मौका मिला। 30 लाख से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर इससे लाभान्वित हुए, जिनमें 41 फीसदी महिलाएं थीं।

सूडोकु नवताल-5382

सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5381 का हल

4	8	2	3	5	6	9	1	7
6	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

अपना ब्लॉग

हेल्थकेयर क्षेत्र का भी रूप बदल दिया

मोहन। भारत ने डिजिटाइजेशन के जरिए हेल्थकेयर क्षेत्र का भी रूप बदल दिया। कोविड–19 वैक्सीन की दो अरब डोज देने और उसे प्रमाणित करने में मदद करने वाले कोविन डिजिटल प्लैटफॉर्म को अब और बढ़ाया जा रहा है ताकि उसके जरिए नैशनल इम्यूनाइजेशन प्रोग्रैम को कवर किया जा सके। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का भी विस्तार किया जा रहा है ताकि लोगों की पहचान करने से लेकर पेमेंट, रेकॉर्ड स्टोरेज और कम्युनिकेशन तक की डिजिटल व्यवस्था की जा सके। इससे फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए पेशंट–लेवल डेटा इकट्ठा करना आसान हो जाएगा। पेशंट्स के लिए भी डिजिटल रेकॉर्ड तक पहुंचना आसान होगा और पेशंट की सहमति से, प्राइवेसी संबंधी सावधानियां बरतते हुए, हेल्थ प्रोवाइडर्स जरूरी आंकड़े शेयर कर सकते हैं, जिससे इलाज की स्थिति सुधरेगी। पीएम मोदी और दूसरे भारतीय नेता समझते हैं कि देश तभी समृद्ध होगा, जब महिलाओं को अपना आर्थिक भविष्य तय करने का अधिकार होगा। भारत ने जिस तरह से सेल्फ हेल्प ग्रुप्स बनाकर महिलाओं को आजीविका और स्वालंबन में मदद की है, उससे दुनिया बहुत कुछ सीख सकती है।

खेसारी लाल यादव के कार्यक्रम में मची भगदड़, आधे दर्जन लोग घायल!

भोजपुरी सिंगर और एक्टर खेसारी लाल यादव का विवादों से पुराना नाता है। हाल में ही वह मंदिर के दरवाजे पर लात मारने के आरोपों के चलते विवादों में थे तो अब एक नया बवाल देखने को मिला है। हाल में ही उनके कार्यक्रम में भीड़ बेकाबू हो गई। जिसे संभालने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। इस दौरान दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए तो एक फैन के बेहोश होने की खबर भी है। इतना ही नहीं खेसारी लाल यादव की परफॉर्मेंस को देखने के लिए लोग टावर व पेड़ों पर चढ़ गए। देखते ही देखते बीच कार्यक्रम में ऐसी भगदड़ मच गई कि ढेरों कुर्सियां टूटी मिली तो जूते चप्पल से पूरा मैदान छीछालेदर हो गया। आइए दिखाते हैं आखिर कब और कहां खेसारी लाल यादव के कार्यक्रम में ये भारी बवाल हुआ।
खेसारी लाल यादव का ये कार्यक्रम बिहार के नवादा में था। मिली जानकारी के मुताबिक, सिंगर और एक्टर अपनी आने वाली एल्बम तबला के प्रमोशन के लिए यहां पहुंचे।

देश का इकलौता एक्टर जिसकी फिल्मों के 50 से ज्यादा बार बने रीमेक

साउथ सिनेमा के इतिहास में एक ऐसा हीरा रहा, जिसने दुनिया भर में खूब चमक बिखेरी और दशकों तक लोगों के दिलों पर राज किया। यह थे कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार डॉ. राजकुमार। डॉ. राजकुमार इकलौते एक्टर थे, जिनकी फिल्मों का 50 से ज्यादा बार 9 भाषाओं में रीमेक बनाया गया। अमिताभ बच्चन भी डॉ. राजकुमार राव के पैर छूते थे। वहीं अनिल कपूर इन्हें एक्टरों का शहंशाह कहते थे। डॉ. राजकुमार ने अपने 58 साल के करियर में ऐसे रिकॉर्ड्स बनाए, जो हैरान कर देंगे। डॉ. राजकुमार ने कन्नड़ सिनेमा को एक अलग पहचान दी। उनकी गिनती भारतीय सिनेमा के सबसे महान एक्टरों में की जाती है। डॉ. राजकुमार, दिवंगत एक्टर च्नदममजी त्ंानउंत के पिता थे। पुनीत राजकुमार को हाल ही कर्नाटक रत्न सम्मान दिया गया। डॉ. राजकुमार एक्टर बनने से पहले एक नाटककार थे। वह गुब्बी वीराना की ड्रामा कंपनी के साथ काम करते थे।

ओटीटी के मस्तराम अंशुमन झा ने अमेरिका में रचाई शादी

एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज मस्तराम फेम एक्टर अंशुमन झा ने शादी कर ली है। साल 2010 में एकता कपूर की फिल्म लव सेक्स और धोखा से एक्टिंग डेब्यू करने वाले अंशुमन ने बीते 29 अक्टूबर को अमेरिका में अपनी मंगेतर सिएरा विंटर्स से शादी रचाई है। अंशुमान की पत्न्नी सिएरा एक अमेरिकी ट्रायथलीट, वीगन शेफ और योग टीचर हैं। Anshuman Jha और सिएरा लंबे समय से एक–दूसरे के साथ रिलेशन में थे। दोनों ने साल 2020 में सगाई की थी। कोविड –19 महामारी के कारण दोनों की शादी की प्लानिंग पोस्टपोन होती रही। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की बेहद खूबसूरत तस्वीरें और वीडियोज शेयर की हैं। खबर है कि दोनों मार्च 2023 में इंडिया आएंगे और फिर मुंबई में रिसेप्शन पार्टी भी होस्ट करेंगे। अंशुमन और सिएरा ने अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में शादी की है। अपनी शादी के बारे में बात करते हुए अंशुमन कहते हैं, इस शादी से हमारे कई सपने पूरे हुए हैं। सिएरा हमेशा एक फॉल सीजन वेडिंग चाहती थी। उसके पिता सैम की चाहत थी कि वह बेटी को नाव में बिठाकर झील के उस पार ले जाकर विदा करें। मेरी मां ने मुझे दूल्ह्हा बनते देखने का सपना संजोया था और मुझे हमेशा से सिएरा जैसी एक परफेक्ट पार्टनर चाहिए थी। इस शादी के साथ हमारे बहुत सारे सपने सच हुए हैं।

दीवाना नहीं, शाहरुख ने इस फिल्म में समलैंगिक बन किया था डेब्यू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

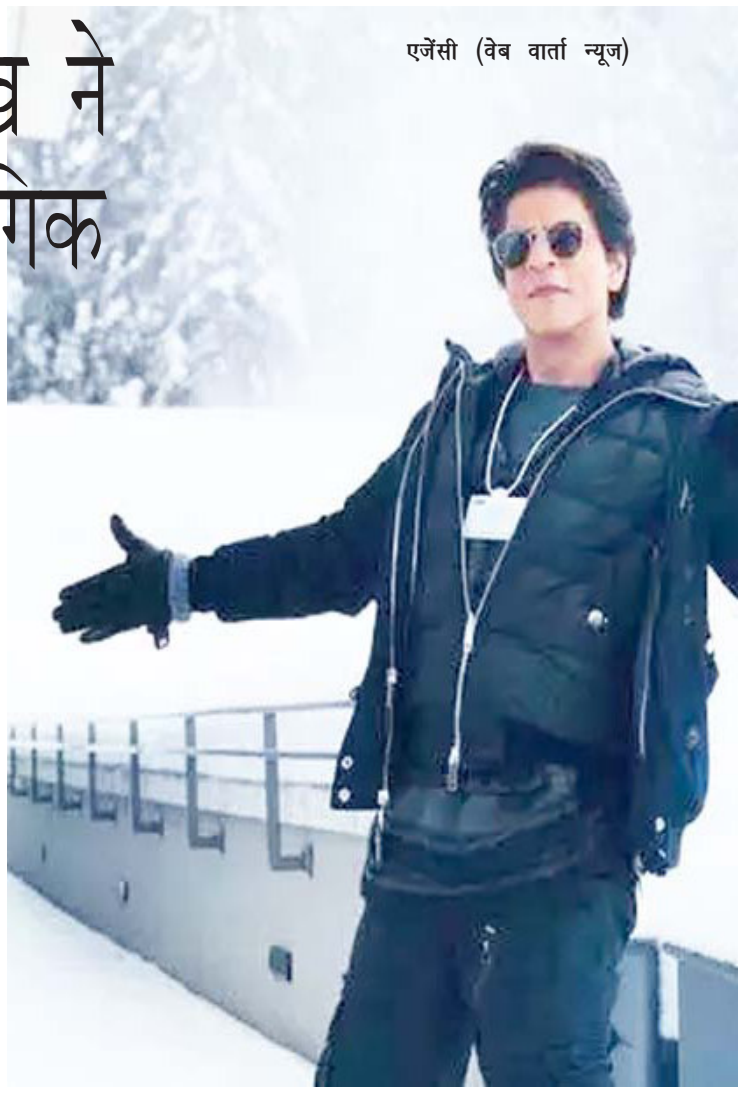

शाहरुख खान के 57वें बर्थडे पर आज आपको उनकी असली डेब्यू फिल्म के बारे में बता रहे हैं जिसके बारे में एक्टर ने खुद कहा था कि जब इस फिल्म की शूटिंग चल रही थी वह काफी अनकम्फर्टेबल और नर्वस थे। शायद कइयों को न पता हो कि शाहरुख ने दीवाना से काफी पहले एक इंग्लिश टेलीफिल्म से डेब्यू किया था।

1992 में फिल्म दीवाना से बहलीवुड में एंट्री
शाहरुख खान ने साल 1992 में फिल्म दीवाना से बॉलीवुड में एंट्री मारी थी। इस फिल्म में शाहरुख के अलावा दिव्या भारती और ऋषि कपूर लीड रोल में थे। हालांकि, शाहरुख के फैन्स में से शायद कइयों को न पता हो कि शाहरुख ने दीवाना से काफी पहले एक इंग्लिश टेलीफिल्म से डेब्यू किया था।

साल 1989 में आई थी यह फिल्म
जी हां, आपने सही पढ़ा है। साल 1989 में आई इस फिल्म की स्क्रिप्ट अरुंधति रॉय ने लिखी थी और इसे डायरेक्ट किया था प्रदीप क्रिष्ण ने। इस फिल्म प्द ैपबी ।ददपम ळपअमे प्ज जीवेम व्दमे की शुरुआत में Shah Rukh Khan दो सीन में नजर आए हैं जिसमें वह गे की भूमिका में थे। इस फिल्म में शाहरुख खान के अलावा पलक झपकते ही गायब हो जाने वाले रोल में मनोज बाजपेयी भी नजर आए हैं।

आवाज शाहरुख की नहीं लग रही
इस फिल्म में वह लंबा सा डायलॉग बोलते नजर आ रहे हैं। उनकी आवाज भी काफी अलग लग रही है। उनकी आवाज सुनकर कई फैन्स को यह भी लगता है कि उनकी आवाज डब की गई है।

शूटिंग के दौरान शाहरुख काफी अनकम्फर्टेबल और नर्वस थे
अपने एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख खान ने कहा था कि जब शूटिंग चल रही थी वह काफी अनकम्फर्टेबल और नर्वस थे खासकर इस वजह से कि उनकी आंखों में इश्कमिजाजी थी।

इस फिल्म से 1989 में 2 नैशनल अवहर्ड जीते
बताया जाता है कि यह फिल्म आनंद ग्रोवर पर बेस्ड थी। इस फिल्म के टाइटल कैरक्टर में अर्जुन रैना नजर आए थे। इसके अलावा रोशन सेठ के साथ अरुंधति रॉय भी अहम भूमिका में नजर आईं। उन दिनों शाहरुख खान और मनोज बाजपेयी दोनों स्ट्रगलिंग एक्टर हुआ करते थे। इस फिल्म से 1989 में 2 नैशनल अवॉर्ड जीता था। बताया जाता है कि इस फिल्म की ऑरिजनल प्रिंट खो गई है और केवल इसकी कॉपीज बची हैं।

मुंबई आने के बाद पहली बार घर से निकलीं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा करीब 3 साल के लंबे गैप के बाद इंडिया वापस लौटी हैं। इस वक्त प्रियंका के हर कदम पर उनके फैन्स की नजरें गड़ी हैं। इंडिया लौटते ही प्रियंका चोपड़ा ने सबसे पहले अपने घर की बालकनी से कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें वह अपने मायके में सुकून के पलों को इंजॉय करती दिख रही हैं। इंडिया लौटने के बाद प्रियंका चोपड़ा पहली बार घर से बाहर निकलीं और पपाराजियों से घिरी नजर आईं।

मुंबई लौटने के बाद पहली बार घर से निकलीं प्रियंका
बता दें कि च्तपलंदां बैवचतं अपने हेयर केयर ब्रैंड को प्रमोट करने के लिए भारत आई हैं। यहां आने के बाद प्रियंका घर से पहली बार निकलीं और उनकी झलकियां पपाराजियों के कैमरों में कैप्चर हो गईं। लंबे समय बाद अपने मायके लौटीं प्रियंका ने कार में बैठने से पहले पपाराजियों के सामने पोज भी दिए।

लोगों ने कहा- अब ये इंडियन नहीं लगतीं
प्रियंका के इस अंदाज की फैन्स तारीफें करते नहीं थक रहे। एक यूजर ने कहा– अब ये इंडियन लगती ही नहीं हैं। एक ने कहा– स्टनिंग दिख रही हैं देसी गर्ल। हालांकि, कुछ की नजरें उनके नाखून पर पड़ी और उन्होंने कहा कि ये काफी डरावना है। एक और ने कहा– ये वही हैं न जिसने निब्बा से शादी की है।

अपने घर की बालकनी में ड्रिंक का लुत्फ उठाती दिखीं
प्रियंका चोपड़ा इन आउटफिट में काफी जंच रही थीं। हालांकि, कैमरे में उनके लंबे नाखूब भी खूब कैप्चर हुए। प्रियंका चोपड़ा ने इंडिया लौटने के बाद कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह अपने घर की बालकनी में ड्रिंक का लुत्फ उठाती दिख रही हैं।

बेटी मालती को नहीं लाईं साथ
रिपोर्ट्स में बताया जा रहा था कि प्रियंका अब जब भी मुंबई आएंगी तो उनकी बेटी मालती उनके साथ होगी, लेकिन एयरपोर्ट पर उन्हें अकेले देखकर फैन्स काफी मायूस हुए। प्रियंका ने इंडिया लौटते ही ढेर सारे पोस्ट इंस्टा स्टोरी पर शेयर किए और घर लौटने की खुशी जाहिर की।

किचन में चुपचाप बैठे हैं शरीर के ये दुश्मन, अभी पहचानें

हम सिर्फ घर का खाना खाते हैं, लेकिन फिर भी बीमारी पीछा नहीं छोड़ती है। पता नहीं, इतनी बीमारियां कैसे हो जाती हैं? ऐसा आपने कई लोगों के मुंह से सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर घर का खाना खाने के बाद भी हमें बीमारियां क्यों घेर लेती हैं?

घर का खाना कैसे बीमार बनाता है?

घर का खाना भी डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर जैसी खतरनाक बीमारियों का कारण बन सकता है। क्योंकि, आपकी किचन में शरीर के कई दुश्मन बैठे हैं। जो चुपचाप आपको बीमार बना रहे हैं। ये नुकसानदायक चीजें आपके दिल, दिमाग और किडनी को खराब कर रही हैं। इसलिए इन चीजों की पहचान समय पर कर लें, ताकि शरीर को हेल्दी बनाया जा सके।

घर का खाना कैसे हेल्दी बनाएं?

किचन में मौजूद मैदा, तेल, नमक या चीनी पूरी तरह नुकसानदायक नहीं हैं। बल्कि कई मायनों में यह एनर्जी और शरीर के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। मगर इनका जरूरत से ज्यादा या अत्यधिक मात्रा में सेवन करने पर नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। वहीं, आप इनकी जगह स्वास्थ्यवर्धक विकल्प भी इस्तेमाल कर सकते हैं। जैसे आप मैदा की जगह रागी या साबुत गेहूं का आटा और चीनी की जगह गुड़ जैसे हेल्थ टिप्स अपना सकते हैं।

मैदाः लोग घर के छोले–भटूरों या समोसों को हेल्दी समझते हैं। लेकिन मैदा से बनने वाली कोई भी चीज पूरी तरह हेल्दी नहीं है। मैदा को ही रिफाइंड फ्लोर कहा जाता है। जिसका इस्तेमाल कुकीज, केक, ब्रेड, पास्ता आदि चीजों को बनाने में होता है। अत्यधिक मात्रा में मैदा खाने से हार्ट डिजीज, वजन बढ़ना, दिल की बीमारी, खराब पाचन और यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है।

तेलः उत्तर भारत में रसोई में तेल का इस्तेमाल खूब होता है। आए दिन पकौड़ा, फ्रेंच फ्राइस या तेल से भरपूर सब्जी बनती रहती है। यही ऑयली फूड और तेल से भरपूर सब्जी खाने से हार्ट अटैक, स्ट्रोक, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, मोटापा, जोड़ों का दर्द या ब्रेस्ट/ओवेरियन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

चीनीः सिर्फ बाहर की मिठाई, कोल्ड ड्रिंक या मीठा ही शुगर को हाई नहीं करता है। बल्कि आप घर में जो तेज मीठे वाली चाय, कॉफी, मिल्कशेक या हलवा खाते हैं, वो भी आपको डायबिटिक बना सकता है। चीनी का ज्यादा सेवन करने से खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है, जो कि हाई ब्लड प्रेशर, सूजन, शरीर का फैट बढ़ना और फैटी लिवर डिजीज का कारण बन सकती है।

नमकः खाने में नमक का ज्यादा सेवन करना भी सेहत के लिए नुकसानदायक है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, दुनिया के अधिकतर लोग जरूरत से काफी ज्यादा नमक का सेवन कर रहे हैं। जिसके कारण ब्लड प्रेशर अनियंत्रित हो जाता है और दिल, दिमाग व किडनी खराब हो रही हैं।

हाथ लक्षणों से देते हैं डायबिटीज का संकेत, ब्लड शुगर बढ़ते ही आते हैं ऐसे निशान

डायबिटीज का निदान करने के लिए ब्लड शुगर टेस्ट सबसे सटीक और आसान तरीका है। लेकिन आप अपने हाथों पर ध्यान देकर भी मधुमेह का पता लगा सकते हैं। दरअसल, जब शरीर में ब्लड शुगर हाई होने लगता है तो हाथों के रंग और दिखावट में बदलाव आने लगते हैं। हाथ पर दिखने वाले डायबिटीज के इन लक्षणों के बारे में डायबिटीज क्या है? खून में ग्लूकोज अनियंत्रित होने पर डायबिटीज होती है। एएडी के मुताबिक, हाथ पर अगर अलग तरह के निशान, बनावट या रंग दिखता है, तो यह शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने का संकेत हो सकता है। आपको डायबिटीज के इन लक्षणों को बारीकी से पहचानकर डायबिटीज के उपाय अपनाने चाहिए। डायबिटीज बढ़ने से क्या होता है? जब डायबिटीज बढ़ती है, तो हाथ पर पीले, लाल या भूरे रंग के निशान हो सकते हैं। मधुमेह के इन निशानों की शुरुआत छोटे–छोटे दानों से होती है। जो कुछ समय में सूजन और हार्ड स्किन के साथ बड़े पैच बन जाते हैं। डायबिटीज का यह संकेत हाथ में ज्यादातर कोहनी और कांख के पास दिखता है। इसमें त्वचा का रंग बैंगनी जैसा गहरा होने लगता है। स्किन के कलर में ये बदलाव होने का मतलब है कि खून में इंसुलिन की मात्रा बढ़ रही है। डायबिटीज के कारण हाथ पर छाले होना एक दुर्लभ लक्षण है।

खाने पर करें कंट्रोल वरना दवाओं पर ही खर्च हो जाएगी आधी सैलरी

आपके किचन में ऐसी कई चीजें हैं जिसे आप रोज अपने स्वादानुसार इस्तेमाल कर रहें हैं पर वह आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। ऐसी कुछ चीजों की लिस्ट हम आपको यहां बता रहें जिनके अतिरिक्त सेवन को कंट्रोल करके आप कई सारी बीमारियों के जोखिम को कम कर सकते हैं। सफेद चीनी लगभग हर किचन में रखा होता है। यह मीठी चीनी चाय, कॉफी, मिल्कशेक और अन्य व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन शक्कर सेहत के लिए हानिकारक होता है। बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से उच्च रक्तचाप, सूजन, वजन बढ़ना, मधुमेह और फैटी लीवर की बीमारी हो सकती है। जो स्ट्रोक और हृदय रोग के खतरे को दोगुना कर देती है। मैदा (रिफाइंड फ्लोर) कई तरह के व्यंजनों को बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साथ ही आपकी रसोई में कुकीज, केक, ब्रेड और पास्ता में भी मैदा मौजूद होता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि मैदा के अत्यधिक सेवन से वजन बढ़ना, चयापचय संबंधी समस्याएं, हृदय रोग और यहां तक कि कैंसर भी हो सकता है।

अगर हेल्दी बच्चा चाहिए? तो इस वक्त तक पति–पत्नी कंट्रोल कर लें वजन

2 नवंबर को वर्ल्ड फर्टिलिटी डे मनाया जाता है। यह दिन इसलिए मनाया जाता है कि पुरुष और महिलाओं की फर्टिलिटी पावर को बेहतर रखा जा सके। जिससे पैदा होने वाला बच्चा हेल्दी हो। लेकिन खराब लाइफस्टाइल के कारण कपल्स की फर्टिलिटी घटती जा रही है। 40 की उम्र के बाद स्वस्थ गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है। अगर आप फर्टिलिटी सुधारकर हेल्दी बच्चा पाना चाहते हैं, तो सही समय पर 5 काम करना शुरू कर दें। गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. गरिमा साहनी ने कहा कि फर्टिलिटी और गर्भधारण को सुधारने के लिए पोषण बहुत जरूरी है। इसलिए आपको अपनी डाइट के साथ लाइफस्टाइल को हेल्दी बनाना चाहिए। डॉक्टर के मुताबिक, जीवनशैली में इन बदलावों को अपनाने का बेस्ट टाइम पूर्व गर्भधारण का होता है। जो कि महिला के कंसीव करने से 3 महीने पहले तक होता है। इसी समय पर फर्टिलिटी और गर्भ में बच्चे का स्वास्थ्य काफी हद तक निर्भर करता है। महिलाओं को अनहेल्दी वेट के कारण हार्मोनल असंतुलन, ओव्यूलेशन की समस्या और मासिक धर्म संबंधी विकार हो सकते हैं। वहीं, मोटे पुरुषों में हार्मोनल समस्याएं और इरेक्शन डिसफंक्शन होना आम हैं। मोटापा आईवीएफ ट्रीटमेंट में भी बाधा बनता है।

तेजी से बढ़ा ओमिक्रॉन का वैरिएंट एक्सबीबी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

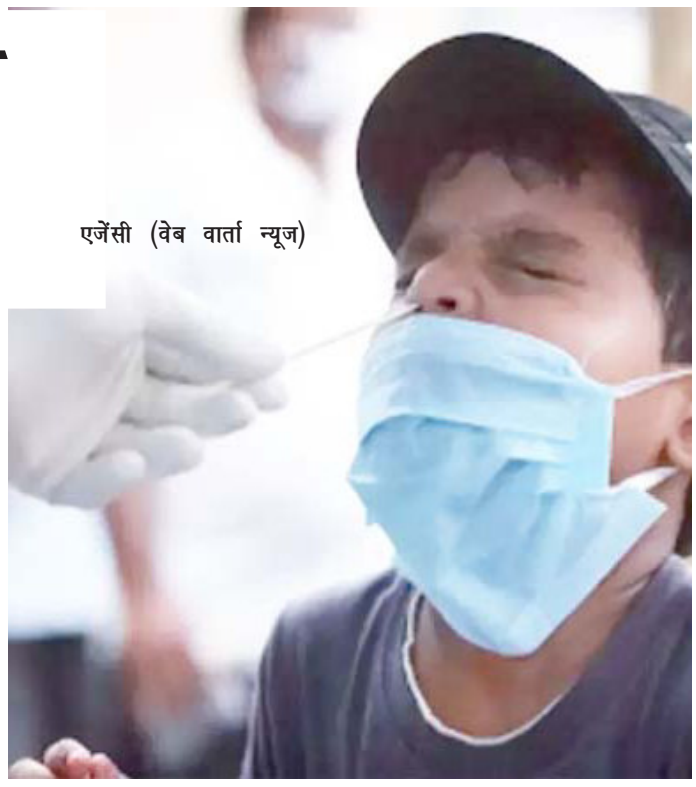

ओमिक्रॉन कहीं नहीं गया है और ब्वतवदंअपतने की चौथी लहर का खतरा अभी तक बना हुआ है। चीन में एक्सपर्ट्स की नींद उड़ाने के बाद अब भारत में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। भारत में कोविड–19 के केसों में ओमिक्रॉन का नया XBB Variant सबसे ज्यादा मिल रहा है और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करीब 9 भारतीय राज्यों में इसके मामले दिख चुके हैं।

भारत में वैरिएंट एक्सबीबी के केस कहां मिले?

ओमिक्रॉन अपना रूप लगातार बदल रहा है और इसका नया वैरिएंट एक्सबीबी तेजी से फैल रहा है। ज्व् की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते महाराष्ट्र में ग्ठठ वैरिएंट के 36 मामले मिले थे। आपको बता दें कि डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 3 से 9 अक्टूबर 2022 तक ओमिक्रॉन का यह वैरिएंट करीब 35 देशों में फैल चुका है।

क्या है ओमिक्रहन का वैरिएंट एक्सबीबी?

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, ओमिक्रॉन का वैरिएंट एक्सबीबी एक हाइब्रिड वैरिएंट है, जो ओमिक्रॉन बीए.2.75 और ओमिक्रॉन बीए.2.10.1 सब वैरिएंट से मिलकर बना है। बता दें कि ओमिक्रॉन एक्सबीबी वैरिएंट का पहला केस अगस्त 2022 के दौरान सिंगापुर से मिला था और अब इसकी वैश्विक फैलाव दर 1.3 प्रतिशत पहुंच चुकी है।

ओमिक्रहन के नए वैरिएंट से कैसे बचें?

इस सवाल का बहुत आसान जवाब इम्युनिटी बढ़ाना है। कोरोना की शुरुआत से ही एक्सपर्ट शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने की सलाह देते आ रहे हैं। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप एक्सरसाइज करें और डाइट में हेल्दी फूड्स को शामिल करें।

ग्रीन टीः ग्रीन टी पीने से एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। एक्सपर्ट्स इन तत्वों को इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद बताते हैं। डाइट में ग्रीन टी को शामिल करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसमें मचपहंससवबंजमबीपद हंससंजम होता है, जो एंटीएंजियोजेनिक और एंटी–ट्यूमर एजेंट की तरह काम करता है। इससे आप कम बीमार पड़ते हैं।

फर्मेंटेड फूडः फर्मेंटेड फूड क्या हैं? फर्मेंटेड फूड वो खाद्य पदार्थ होते हैं, जो कि खमीरी प्रक्रिया से बनते हैं। दही इसका सबसे बढ़िया उदाहरण है, जिसमें संक्रमण से लड़ने वाले अच्छे बैक्टीरिया होते हैं। व्उपबतवद ग्ठठ टंतपंदज से बचने के लिए आप ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में दही का सेवन कर सकते हैं। इस फूड से आपका डायजेशन भी सुधरता है।

मौसमी फल और सब्जियांः सर्दी शुरू हो गई हैं और ठंड के मौसम में मिलने वाली सब्जियों व फलों का सेवन शुरू कर दें। मौसमी फल और सब्जियों में उस खास मौसम में होने वाले इंफेक्शन और कीटाणुओं से बचाने वाले गुण होते हैं। जो कि इम्युनिटी को बूस्ट करते हैं। अब आपका सवाल हो सकता है कि सर्दियों में कौन–से फल और सब्जियां आते हैं? तो आप सर्दियों में सरसों का साग, गाजर, बाजरा, गुड़, अदरक, अमरूद, कीवी, ब्रॉकली, संतरा, पालक, मछली, शिमला मिर्च आदि खा सकते हैं।

नट्स और सीड्सः नट्स और सीड्स न्यूट्रिशन से भरपूर होते हैं। इसमें इम्युनिटी बढ़ाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं। रोजाना मुट्ठीभर ड्राई फ्रूट्स और बीज खाकर आप ओमिक्रॉन के नए वैरिएंट से बचाव कर सकते हैं। इसके लिए आप बादाम, मूंगफली, सूरजमुखी के बीज, खजूर, अखरोट आदि का सेवन करें।

नौसिखिए पाकिस्तानी बल्लेबाज ने उतारा कागिसो रबाडा का भूत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सिडनी। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2022 का मुकाबला खेला जा रहा है। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। यह टूर्नामेंट का 36वां मैच है। फखर जमान चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। पाकिस्तान की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह मोहम्मद हारिस को मौका मिला। पहले ओवर में मोहम्मद रिजवान के आउट होने के बाद हारिस क्रीज पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। मोहम्मद हारिस पहले ही ओवर में क्रीज पर आ गए। साउथ अफ्रीका के लिए दूसरा ओवर कागिसो रबाडा ने डाला। पहली दो गेंद डॉट खेलने के बाद बाबर आजम ने तीसरी गेंद पर सिंगल लिया। चौथी गेंद रबाडा ने आगे फेंकी और हारिस ने उसे मिड विकेट पर छक्के के लिए भेज दिया। छक्का खाने के बाद रबाडा ने पटकी हुई गेंद फेंकी। हारिस इसके लिए भी तैयार थे। उन्होंने ऑफ स्टंप पर आकर रबाडा की गति का इस्तेमाल करते हुए फाइन लेग पर छक्का लगा दिया। रविचंद्रन अश्विन भी उनकी बल्लेबाजी के फैन हो गए हैं।

कौन हैं मोहम्मद हारिस?

दाएं हाथ के 21 वर्षीय बल्लेबाज मोहम्मद 2020 अंडर–19 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान टीम का हिस्सा थे। 2021 में उन्हें पहली बार पाक सीनियर टीम में जगह मिली। इसी साल उन्होंने पेशावर जाल्मी के लिए पीएसएल में डेब्यू किया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ जून में उन्हें वनडे डेब्यू करने का मौका मिला। सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ हारिस ने पाकिस्तान के लिए पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था। इस मैच से पहले उन्होंने 5 ही इंटरनेशनल मैच खेले थे।

बाहर निकला तो... रोहित ने कड़े शब्दों में दी मांकडिंग की चेतावनी

क्रिकेट

बार–बार क्रीज छोड़ रहा था बांग्लादेशी बल्लेबाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एडिलेड। भारत और बांग्लादेश के बीच बुधवार को टी20 वर्ल्ड कप 2022 का मुकाबला खेला गया। भारत ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 184 रन बनाए। बांग्लादेश ने विस्फोटक शुरुआत की। टीम एक समय जीत की तरफ बढ़ती दिख रही थी। लेकिन फिर बारिश आ गई। अंत में रोहित शर्मा की टीम इंडिया ने मुकाबले को डकवर्थ लुईस नियम के आधार पर 5 रनों से अपने नाम किया।

रोहित ने बल्लेबाज को धमकाया

बारिश के बाद जब खेल शुरू हुआ तो भारत ने लगातार विकेट झटके। 4 विकेट गिरने के बाद क्रीज पर बांग्लादेश के विकेटकीपर नुरुल हसन उतरे। वह नॉन स्ट्राइकर एंड पर बार–बार गेंद डाले जाने से पहले ही बाहर निकल जा रहे थे। इसपर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को गुस्सा आ गया। रोहित ने तुरंत नुरुल हसन को चेतावनी दे दी। रोहित ने कहा– बाहर निकला तो स्टंप उड़ा देगा।

आईसीसी ने नियम भी बदल दिया है: नॉन स्ट्राइकर एंड पर बल्लेबाज क्रीज से बाहर निकलता है और गेंदबाज वहां उसे रनआउट करता है तो इसे खेल भावना के खिलाफ माना जाता था। लेकिन पिछले महीने आईसीसी ने नियम में बदलाव कर दिए हैं। अब इसे खेल भावना के खिलाफ नहीं माना जाता। गेंदबाज चेतावनी के बिना भी किसी बल्लेबाज को गेंद डालने से पहले ही आउट कर सकता है। हालांकि इस टी20 वर्ल्ड कप में कोई भी बल्लेबाज ऐसे आउट नहीं हुआ है।

मिलर को भी मिली थी चेतावनी

भारतीय टीम ने बांग्लादेश से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला खेला था। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर बार–बार गेंद डाले जाने से पहले ही नॉन स्ट्राइकर एंड पर क्रीज छोड़ दे रहे थे। अश्विन एक मौके पर गेंद डालने से पहले रूक गए। उन्होंने मिलर को चेतावनी भी दी।

फेक फील्डिंग और गीली आउटफील्ड की शिकायत न करें: हर्षा भोगले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के राउंड–12 में भारत ने बांग्लादेश को 5 रन से हरा दिया। मैच के बाद बांग्लादेश के विकेटकीपर–बल्लेबाज नुरुल हसन और बांग्लादेशी फैंस ने भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर फेक फील्डिंग का आरोप लगाया है।

मैच हारने के बाद नूरुल हसन ने मैदानी अंपायर और विराट कोहली पर आरोप लगाते हुए कहा, निश्चित रूप से गीले आउटफील्ड का प्रभाव तब पड़ा जब हमने खेल को फिर से शुरू किया, लेकिन मैच के दौरान एक फेक थ्रो भी था जिससे हमें पांच रन मिल सकते थे, लेकिन दुर्भाग्यवश हमें वह भी नहीं मिला।

बांग्लदेशी फैंस को दी शानदार नसीहत

हर्षा भोगले ने फेक फील्डिंग पर दिया जवाबः नुरुल के इस आरोप पर भारतीय कमेंटेटर हर्षा भोगले ने अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लिखा, श्फेक फील्डिंग को लेकर सच्चाई यह है कि इस घटना को किसी ने नहीं देखा। इस घटना को अंपायर तक ने नहीं देखा। इसके अलावा इस धटना को हमने भी नहीं देखा। बता दे कि आइसीसी के नियम 41.5 के अनुसार, फील्डिंग कर रही टीम जानबूझकर ध्यान भटकाने, धोखे या बल्लेबाज को बाधा पहुंचती है तो अंपायर इसे डेड बॉल घोषित करते हुए टीम पर पांच रन की पेनल्टी लगा सकता है।

हर्षा ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी को भी व्यक्ति को गीली आउटफील्ड को लेकर शिकायत करने का अधिकार है। अंपायर और क्यूरेटर ने शानदार काम किया, जिससे मैच जल्दी शुरू हो गई। हर्षा ने कहा, बांग्लादेश में मौजूद मेरे दोस्तों से मेरी अनुरोध है कि कृपया फेक फील्डिंग और गीली आउटफील्ड की शिकायत न करें। नुरुल जिस घटना का जिक्र कर रहे थे वह सातवें ओवर में हुई। भारत की तरफ से अक्षर पटेल गेंदबाजी कर रहे थे। लिटन दास ने डीप मिड विकेट की तरफ गेंद खेली। अर्शदीप ने गेंद को फील्ड कर थ्रो किया। इस पर कोहली ने ऐसे जताया कि जैसे वह गेंद को पकड़कर नॉन–स्ट्राइकर की तरफ थ्रो कर रहे हैं।

अर्शदीप ने लिखा, अंत तक था विश्वास, फैंस बोले– असरदार निकला यह सरदार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया जब टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन के लिए रवाना हो रही थी, तब उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती थी, डेथ ओवर की गेंदबाजी। टीम के कप्तान रोहित शर्मा सहित टीम मैनेजमेंट यह सोचने में लगी थी कि जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में टीम इंडिया की इस मुश्किल को कौन हल करेगा? अब जब टीम इंडिया अपने सुपर–12 का 4 मैच खेल चुकी है, तब इस सवाल का जवाब अर्शदीप सिंह के रूप में मिला है, जो वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की तरफ से अब तक के सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। यूं तो इस सवाल का जवाब अर्शदीप सिंह ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में ही दे दिया था, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी उन्होंने उस वक्त अच्छी गेंदबाजी की, जब टीम को उनकी जरूरत थी। पहले अश्विन ने 12वें ओवर में आकर दो विकेट झटककर टीम इंडिया की वापसी कराई और फिर आखिरी ओवर में 20 रन के स्कोर को डिफेंड कर जीत दिला दी। उन्होंने 4 मैचों में अब तक 9 विकेट हासिल किए हैं।

न्यूज डायरी

दबंग पुलिसवाला... नेशनल चैंपियनशिप में जीता लगातार 10वां गोल्ड मेडल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पुलिस को अपराधियों पर दबंगई दिखाते हुए तो खूब देखा होगा आपने, लेकिन यह इंस्पेक्टर जरा हटके है। यह मैदान में अपने मुक्कों से विरोधी को चित कर देता है। दबंगई ऐसी कि क्या मजाल कोई रिंग में पटकनी दे सके। नाम है मुकेश चौधरी गोरा। यह सिर्फ नाम नहीं है, बल्कि मेडल जीतने की मशीन हैं। मार्शल आर्ट्स के सबसे खतरनाक फॉर्म वुशु में उन्होंने बुधवार को 10वां गोल्ड मेडल अपने नाम किया। राजस्थान पुलिस में इंस्पेक्टर मुकेश ने श्रीनगर में आयोजित 31वीं नेशनल चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक जीता। यह टूर्नामेंट 28 अक्टूबर से 2 नवंबर तक श्रीनगर में आयोजित किया गया। जब भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश को टी–20 वर्ल्ड कप में हरा रही थी तो मुकेश अपनी बाउट लड़ रहे थे। एक बार फिर उनकी दबंगई चली और लगातार 10वीं बार गोल्ड मेडल जीता। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय वुशु खिलाड़ी बने। राजस्थान के अलवर में मुकेश की पोस्टिंग है, लेकिन स्पोर्ट्स की वह से जयपुर ही रहते हैं।

खूंटी और सिमडेगा में 'हॉकी स्टीक' के साथ बचपन की शुरुआत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रांची। झारखंड में हॉकी की चमक आज भी 1940 और 1950 के दशक की तरह बरकरार है। एक जमाने था, जबं ब्रिटिश शासनकाल में जयपाल सिंह मुंडा ने अंग्रेज खिलाड़ियों के साथ भारतीय टीम का नेतृत्व किया था। बाद में सिल्वानुस डुंगडुंग और मनोहर टोप्पनो जैसे ओलंपिक खिलाड़ियों ने झारखंड का मान बढ़ाया। अब भी भारतीय महिला और पुरुष हॉकी टीम में झारखंड के खिलाड़ी देश के लिए पदक जीत रहे हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी विभिन्न मौकों पर इन हॉकी खिलाड़ियों की प्रशंसा कर चुके हैं। हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह का कहना है कि राज्य में मुख्य रूप से खूंटी, सिमडेगा, गुमला और रांची जिले से हॉकी के खिलाड़ी उभर कर सामने आ रहे हैं। यदि खूंटी और सिमडेगा की बात की जाए, तो सिर्फ इन दोनों जिलों में ही 15 हजार बच्चे मैदान, बंजर भूमि और खाली पड़े खेत में हॉकी खेल रहे हैं। इन बच्चों के लिए दोनों जिले में कम से कम छह–छह और नये स्ट्रो टर्फ स्टेडियम बनाने की जरूरत हैं।

अंपायर और रोहित से बहस पर शाकिब अल हसन को भिगो–भिगो के पीटा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के ग्रुप 2 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने रोमांचक मुकाबले में बांग्लादेश को बुधवार को 5 रनों से पीट दिया। मैच में बारिश हुई थी तो बांग्लादेश को रिवाइज टारगेट 16 ओवरों में 151 रनों का मिला। बारिश से पहले बांग्लादेश ने 7 ओवरों में बिना किसी विकेट के 66 रन बनाए थे और क्रै के नियमों से वह 17 रन आगे चल रही थी, लेकिन जब बारिश शुरू हुई तो उसके विकेट गिरते गए और आखिरी में रोमांच की पराकाष्ठा पर पहुंचे मैच में भारत ने जीत हासिल की। इस मैच को लेकर इस बात चर्चा होती रही कि जब रिवाइज टारगेट दिया जा रहा था तो शाकिब अल हसन अंपायर और रोहित शर्मा के साथ लंबे समय तक बहस करते देखे गए। इस बहस को लेकर एक पत्रकार ने शाकिब अल हसन से प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिलचस्प बात चीत की। पत्रकार के सवाल पर जब शाकिब अल हसन जवाब देने से कतराने लगे तो उन्होंने पूछ लिया कि क्या आप बांग्लादेश में बह रही नदी के बारे में चर्चा कर रहे थे।

एक बार फिर से टीम इंडिया के लिए यादगार बन गया एडिलेड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एडिलेड के मैदान से टीम इंडिया का पुराना नाता रहा है। टीम इंडिया जब–जब यहां खेलती है तो मैच यादगार बन जाता है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी जब टीम इंडिया उतरी तो उसने इस मैच में न केवल रोमांचक जीत हासिल की बल्कि एक ही मैच में कई रिकॉर्ड भी बना डाले। आइए बांग्लादेश के खिलाफ मैच में बने कुछ बड़े रिकॉर्डों पर नजर डालते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ जीत, टीम इंडिया की किसी एक विरोधी टीम के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक जीत है। टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ यह लगातार 8वीं जीत थी। टी20 वर्ल्ड कप में बतौर खिलाड़ी सर्वाधित जीत दर्ज करने के मामले में वह नंबर वन बन गए हैं।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 4 नवंबर 2022 पेज 8

बुजुर्ग स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती रामप्यारी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जताया है आभार।

जनता का पैसा जनहित में सही प्लानिंग से उपयोग हो: सीएम

निर्देश

■ मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय में देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत जो भी कार्य हो रहे हैं, उनमें स्मार्ट देहरादून के लिए सबसे अच्छा क्या किया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक तय सीमा के अन्तर्गत किये जाए।

जन प्रतिनिधियों द्वारा जो भी सुझाव दिये जा रहें हैं, उन सुझावों को पूरी गम्भीरता से लेते हुए अमल में लाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जन सुविधा के दृष्टिगत स्मार्ट सिटी के कार्य तेजी से पूर्ण किये जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि जनता का पैसा जनहित में सही प्लानिंग से उपयोग हो। इसके लिए सभी

विभाग एवं कार्यदाई संस्थाएं समन्वय के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के तहत जो कार्य किये जा रहे हैं, आने वाले 50 सालों की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कार्य किये जाएं। देहरादून को आदर्श शहर बनाने के लिए और क्या किया जा सकता है, इसकी पूरी कार्ययोजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि ग्रीन सिटी, क्लीन सिटी के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया जाए। शहर की स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस बैठक में जन प्रतिनिधियों के जो भी सुझाव आये हैं, उन सभी सुझावों पर क्या उचित समाधान निकाले जा सकते हैं, इस पर ध्यान दिया जाए। नगर निकायों को मजबूत बनाने पर ध्यान दिया जाए। ऐसी योजनाएं जिनमें केन्द्र एवं राज्य का अंश क्रमशः 90 एवं 10 के अनुपात में हो उन योजनाओं पर शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर कार्य किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी सड़के गड्ढ़ा मुक्त हो। नगर निगम क्षेत्रों में 3. 75 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के सुदृढ़ीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग से करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि नगर निकायों को मानव संसाधन की दृष्टि से भी मजबूत बनाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के तहत जिन कार्यों को पूर्ण करने के लिए बजट की और आवश्यकता है, उनका प्रस्ताव बनाकर शीघ्र शासन को भेजा जाए। स्मार्ट सिटी के तहत परेड ग्राउंड में होने वाले विभिन्न कार्यों की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को अलग से बैठक करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने सभी कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। कार्य की गुणवत्ता में कोई कमी पाई गई तो संबंधितों पर सख्त कारवाई की जायेगी। उन्होंने गढ़वाल कमिश्नर को भी स्मार्ट सिटी के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक विनोद चमोली, खजान दास, उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, मुख्य सचिव डॉ. एस.एस.संधु, अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, गढ़वाल कमिश्नर एवं संबंधित कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित थे।

स्मार्ट सिटी परियोजना को जून 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य

सीईओ स्मार्ट सिटी जिलाधिकारी देहरादून सोनिका ने स्मार्ट सिटी के तहत चल रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस देहरादून स्मार्ट सिटी परियोजना को जून 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जिन 26 परियोजनाओं पर कार्य होना था, उनमें से 10 पूर्ण हो चुके हैं, 4 परियोजनाओं पर अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुके हैं 12 परियोजनाओं पर कार्य गतिमान है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री की बुर्जुगों को सम्मान देने की कार्यप्रणाली बनेगी प्रेरणादायी

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को कन्नौज निवासी 102 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्रीमती रामप्यारी ने पत्र भेजकर 13 अक्टूबर को आईएसबीटी देहरादून में उनका आत्मीय सम्मान करने के लिये आभार व्यक्त किया है। श्रीमती रामप्यारी ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित पत्र में लिखा है कि 13 अक्टूबर 2022 को आईएसबीटी पर आपके द्वारा प्रार्थनी का जो सम्मान किया गया ,चाय पिलाई गई तथा 102 वर्षीय वृद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कन्नौज, उ.प्र. निवासी रामप्यारी पत्नी स्व. श्री रामचन्द्र चतुर्वेदी के चरण छूकर जो आशीर्वाद लिया गया प्रार्थिनी उन क्षणों को ताउम्र याद रखकर आपके उज्जवल भविष्य के लिए प्रार्थना परम पिता परमात्मा से करती है।

छह आइपीएस और चार पीपीएस अधिकारियों के किए तबादले

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में शासन ने छह आइपीएस और चार पीपीएस अधिकारियों के तबादले किए है। एसटीएफ के एसएसपी अजय सिंह हरिद्वार के एसएसपी बने हैं। वहीं, आइपीएस योगेंद्र सिंह रावत को पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिसूचना एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक कारागार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आइपीएस हिमांशु वर्मा को बागेश्वर जनपद का प्रभार मिला है। हरिद्वार ग्रमीण क्षेत्र के पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल को प्रभारी पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

प्रदेशभर में सात नवंबर को लोकतंत्र बचाओ–उत्तराखंड बचाओ आंदोलन

संवाददाता देहरादून। राज्य के स्थापना दिवस से दो दिन पहले आगामी सात नवंबर को प्रदेशभर में विभिन्न नागरिक संगठन एवं जन संगठन, विपक्षी दल धरना– प्रदर्शन करेंगे। रैलियां निकाली जाएंगी। इसे लोकतंत्र बचाओ–उत्तराखंड बचाओ आंदोलन नाम दिया गया है। उत्तरांचल प्रेस क्लब दून में गुरुवार को वक्ताओं ने कहा कि कार्यक्रम देहरादून, उत्तरकाशी, नैनीताल, रामनगर, बागेश्वर, श्रीनगर, चमियाला, पिथौरागढ़, पौड़ी, और राज्य के अन्य जगहों में आयोजित होंगे।

विद्या मंदिर क्लासेज ने लॉन्च किया वीआईक्यू प्रोग्राम

संवाददाता देहरादून। जेईई और नीट जैसे बड़ी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मशहूर विद्या मंदिर क्लासेज ने अपना बहुप्रतीक्षित स्कॉलरशिप एडमिशन प्रोग्राम को लॉन्च कर दिया है। विद्या मंदिर इंटलेक्ट क्वेस्ट का आयोजन इसी साल नवंबर में किया जाएगा. विद्या मंदिर क्लासेज जेईई मेन, जेईई एडवांस, ओलंपियाड्स, एनटीएसई जैसे प्रोग्राम की कोचिंग कराने वाले इंस्टिट्यूट में अग्रिम पंक्ति में आता है।

आंगनवाड़ी बहनों की मांगों का ससमय निस्तारण हमारी प्राथमिकता

बैठक

■मंत्री रेखा आर्या ने महालक्ष्मी योजना, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय वृद्धि पर की बैठक

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या द्वारा महिला एवं बाल विभाग के अंतर्गत महालक्ष्मी योजना, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय वृद्धि इत्यादि के संबंध में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। मंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी बहनों का मुख्य बिन्दु मानदेय से संबंधित रहा है जिस पर विभाग द्वारा सकारात्मक पहल करते हुए

लगभग सभी जिलों में मानदेय का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ जनपदों में खातों से संबंधित शिकायत होने के कारण मानदेय का भुगतान नहीं हो पाया है उसके निस्तारण हेतु अधिकारियों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया है।

मंत्री ने कहा कि हमें खुशी है कि माह अक्टूबर 2022 का मानदेय दीपावली से पहले ही आंगनवाड़ी बहनों को वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी बहनों को दीपावली की बोनस राशि का भुगतान भी समय पर किया जा चुका है। मंत्री ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की विभिन्न मांगों पर संज्ञान लेते हुए कहा कि आंगनवाड़ी बहनों की मांगों का विभाग द्वारा ससमय निस्तारण करना हमारी प्राथमिकता है। मंत्री ने कहा कि मिनी आंगनवाड़ी केन्द्रों के उच्चीकरण हेतु हमारी सरकार प्रयासरत है, जल्द ही भारत सरकार से इस हेतु चर्चा की जायेगी। मंत्री ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का सुपरवाईजर पद पर पदोन्नति के लिए विभाग के अधिकारियों द्वारा जल्द ही प्रस्ताव जारी किया जायेगा।

मंत्री ने सचिव महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को अन्य विभागों जैसे निर्वाचन, जनगणना तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु जिला अधिकारी एवं सीडीओ के स्तर से ड्यूटी पर लगाये जाने के लिए निर्देशित किया जायेगा।

यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने भी सीएम को लिखा पत्र

संवाददाता देहरादून। यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर विधानसभा का आगामी शीतकालीन सत्र देहरादून में आयोजित करने का अनुरोध किया है। यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल ने मुख्यमंत्री धामी से अनुरोध किया है कि उत्तराखंड की आमजन भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए ग्रीष्मकालीन विधानसभा सत्र को गैरसैण तथा शीतकालीन विधानसभा सत्र देहरादून में संपन्न कराया जाए। गत दिवस खानपुर विधायक उमेश कुमार तथा लक्सर विधायक मो शहजाद ने भी पत्रों के माध्यम से विधानसभा का आगामी शीतकालीन सत्र देहरादून में आयोजित करवाने का अनुरोध किया। विधानसभा का आगामी सत्र 16 दिसंबर से पहले होना है। सत्र की तिथि और स्थल तय करने के मद्देनजर राय जानने के उद्देश्य से हाल में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने सर्वदलीय बैठक बुलाई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।